भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न संख्या : 329

दिनांक 5 फरवरी , 2020 / 16 माघ, 1941 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

बिहार में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस)-उड़ान

329. **श्री सतीश चंद्र दुबे:**

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने बिहार में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस)-उड़ान के अंतर्गत क्षेत्रीय हवाई सेवाएं प्रदान करने के लिए वाल्मिकी नगर, पुर्णिया, भागलपुर, दरभंगा और सहरसा का चयन करके वहां से हवाई सेवाएं आरंभ करने की सिफारिश की है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन शहरों से वायु सेवाएं कब तक शुरू की जानी हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) एवं (ख): क्षेत्रीय हवाई संपर्क को प्रोत्साहित करने के लिए इसे किफायती बनाते हुए सरकार नें दिनांक 21.10.2016 को क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)- उड़ान (उडे देश का आम नागरिक) प्रारंभ की हैं। आरसीएस – उड़ान के अन्तर्गत दूसरे चरण की बोली में कार्यान्वयन एजेन्सी भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), ने बिहार के दरभंगा से हवाई सेवाओं को प्रारंभ करने के लिए चयनित नेटवर्क प्रचालक (एएसओ) को निम्नलिखित नेटवर्कों को अवार्ड किया:

1. मुंबई- दरभंगा – मुंबई
2. दिल्ली – दरभंगा – दिल्ली
3. बैंगलूरू – दरभंगा – बैंगलूरू

यदि कार्यान्वयन एजेंसी के द्वारा कोई एक्सटेंशन न दिया गया हो तो उस स्थिति में आरसीएस-मार्ग पर लैटर ऑफ अवार्ड के जारी होने के छह माह की अवधि के भीतर अथवा हवाई अड्डे के तैयार होने के दो माह के भीतर, दोनों में से जो भी बाद में हो, चयनित एयरलाइन प्रचालक (एसएओ)आरसीएस उड़ान प्रचालनों को प्रारंभ करने के लिए बाध्य हैं। एसएओ द्वारा बोली में दी गई प्रस्तुति के अनुसार दरभंगा से आरसीएस प्रचालन, रनवे को वायुयान (बी-737) के प्रचालन के लिए आवश्यक क्षमता के अनुकूल सुदृढ़ हो जाने पर प्रारंभ होंगे। एएआई ने रनवे को मजबूत करने तथा टर्मिनल बिल्डिंग निर्माण के कार्य को अपने हाथ में ले लिया है। पूर्णिया एक सैन्य हवाई अड्डा है जिसकी मरम्मत की जा रही है इसलिए वर्तमान में आरसीएस-उड़ान के अधीन बोली लगाए जाने के लिए उपलब्ध नहीं हैं। पूर्व में आयोजित बोली प्रक्रिया के चरणों में किसी भी एयरलाइन ने आरसीएस-उड़ान के अंतर्गत भागलपुर, सहरसा और वाल्मीकि नगर हवाई अड्डों पर आरसीएस-उड़ान, उड़ानों को परिचालित करने के लिए कोई बोली प्रस्तुत नहीं की है। भागलपुर, सहरसा और वाल्मीकि नगर हवाई अड्डे, वर्जन 4.0 के आरसीएस-उड़ान दस्तावेज के देश में संभावित असेवित हवाई अड्डों/ हवाईपट्टियों में सूचीबद्ध हैं। यदि आरसीएस-उड़ान के अंतर्गत कोई वैध बोली प्राप्त होती है तो उस पर योजना दस्तावेजों के अनुसार विचार किया जाएगा।